बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग 2—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर रहित)

शुक्रवार, तिथि 12 जनवरी, 1979

विषय-सूची

	पृष्ठ
गैर-सरकारी संकल्प :	
(क) राज्य के 'लॉ ऐंड आर्डर' की स्थिति पर वाद-विवाद (अस्वीकृत)	1—11
(ख) पलामू जिला में वाटर टावर द्वारा जलापूर्त्ति (वापस) ..	12—14
श्री रामानन्द तिवारी के अनशन से उद्भूत स्थिति	14—24
शोक प्रकाश :	
बिहार विधान-सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री विश्वनाथ राय की निर्मम हत्या पर शोकोद्गार।	24—28
दैनिक निबंध	29-30

टिप्पणी—जिन मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधन नहीं किया है, उनके नाम के आगे (*) चिह्न लगा दिये गये हैं।

समय नहीं है। जीरो आवर में इस तरह के प्रश्न उठाये जाते हैं।

श्री मिथिलेश प्र० सिंह—कल भी यह प्रश्न उठाया गया, लेकिन सरकार विचार नहीं कर रही है। इनका ब्लड प्रेसर हाई हो गया है।

(सदन में शोरगुल, कई माननीय सदस्य एक साथ खड़े होकर बोलने लगे।)

उपाध्यक्ष—मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि जो सवाल उठा रहे हैं, उससे मुझे मतभेद नहीं है और उससे मुझे कोई तफरका नहीं है। इसकी अहमियत को मैं समझता हूं, लेकिन प्रश्न है प्रक्रिया की। अभी नन-ऑफिसियल रिजोल्यूशन ले रहे हैं।....

श्री शालीग्राम सिंह तोमरै—जबतक सरकार जवाब नहीं देगी, तबतक हम कोई प्रक्रिया को चलने नहीं देंगे।

(सदन में पुनः शोरगुल, कई माननीय सदस्य एक साथ खड़े होकर बोलने लगे।)

श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह—मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। विशेष परिस्थिति में सभी प्रक्रिया को शिथिल करने का अधिकार आसन को है और इससे विशेष परिस्थिति क्या हो सकती है। सभी माननीय सदस्यों की राय है तो इसका समाधान हो जाना चाहिए।

उपाध्यक्ष—ये सदन के ऐडवोकेट-जेनरल हैं और इन्होंने व्यवस्था के प्रश्न पर कहा कि सदन को यह अधिकार है कि किसी भी प्रक्रिया को शिथिल करके कोई बात उठा सकते हैं। मैं सिर्फ इतना ही निवेदन करना चाहता हूं कि अभी नन-ऑफिसियल रिजोल्यूशन पर विचार हो रहा है। इसको 12 बजे आप उठाते तो अच्छा होता।

श्री मिथिलेश प्र० सिंह—उपाध्यक्ष महोदय, अभी मैं तिवारी जी को देखकर आ रहा हूं। उनका ब्लड प्रेसर हाई हो गया है, उनको खांसी हो रही है, उनकी स्थिति चिंताजनक है, ऐसी स्थिति में अगर कुछ नहीं किया जायगा तो कैसे होगा।

उपाध्यक्ष—किसी भी तरह का वक्तव्य 12 बजे के बाद ही होगा।

श्री राम विलास सिंह—उपाध्यक्ष महोदय,....

उपाध्यक्ष—आप पुराने सदस्य हैं। आप जानते हैं कि इस तरह का प्रश्न 12 बजे के बाद ही उठाया जाता है।

श्री राम विलास सिंह—उपाध्यक्ष महोदय, यह श्री रामानन्द तिवारी का व्यक्तिगत मामला नहीं है। आम लोगों के साथ भी वही स्थिति हो सकती है। जब हम इलाके में जाते हैं, और यह बात कोने-कोने में फैल गयी है कि श्री रामानन्द तिवारी भ्रष्टाचार

के खिलाफ अनशन कर रहे हैं। अगर इसपर कोई कार्रवाई नहीं होगी तो हर माननीय सदस्य के साथ इस तरह की घटना घट सकती है। यह जनतांत्रिक सरकार है और जनतंत्र के खिलाफ काम कर रही है। सरकार चुपचाप सुनती रहे और कुछ कहे नहीं। सरकार जवाब दे, नहीं तो हम हाउस नहीं चलने देंगे।

श्री रामानन्द प्रसाद यादव—उपाध्यक्ष महोदय, श्री राम विलास सिंह जी ने जो सवाल

उठाया है उसकी अहमियत को सारा सदन महसूस कर रहा है। आपके आसन से यह आदेश हुआ जो प्रक्रिया है उसके आधार पर निर्धारित समय पर ही इस सवाल को उठाया जाय। ऐसे सवाल को 12 बजे जीरो आवर में उठाया जाना चाहिए। तो आपके निर्देश के बाद भी कुछ माननीय सदस्य या 5 माननीय सदस्य चाहें कि सदन की कार्रवाई नहीं चले तो यह बात तय हो जानी चाहिए कि इस सदन में पांच आदमियों की बात रहे या तमाम माननीय सदस्यों की बात रहे....

(इस अवसर पर सदन में काफी शोरगुल और विपक्षी दल के सदस्यगण भी बोलते पाये गये।)

श्री राम विलास सिंह—उपाध्यक्ष महोदय, यह बात पांच आदमी की नहीं बल्कि

सारे सदन की बात है।

श्री कैलाशपति मिश्र—उपाध्यक्ष महोदय, माननीय रामानन्द तिवारीजी आमरण

अनशन पर बैठे हुए हैं और परिस्थिति की गंभीरता से हम सभी लोग अच्छी तरह से परिचित हैं। मैं जानता हूं और हमारे ऊपर भी जवाबदेही सौंपी गयी है। मैं अपने मित्रों को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि किसी भी माननीय सदस्य को श्री रामानन्द तिवारी जी के प्रति जितनी श्रद्धा है, मेरे हृदय में उनसे किसी भी हालत में कम श्रद्धा उनके प्रति नहीं है। हम स्वयं इसके लिये परेशान हैं। मैं आप सबों को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आज संध्या तक कोई-न-कोई निर्णय निकल जायेगा और श्री रामानन्द तिवारी जी अनशन तोड़ देंगे—ऐसा उनसे आग्रह किया जायेगा। इससे अधिक मैं अभी आपसे कुछ नहीं कह सकता हूं।

श्री राम विलास सिंह—उपाध्यक्ष महोदय, तब तो सदन बन्द हो जायेगा।

(इस अवसर पर काफी शोरगुल।)

श्री कैलाशपति मिश्र—उपाध्यक्ष महोदय, सदन का सत्र रहे या नहीं रहे या सदन

सत्र में नहीं रहे, पूज्य रामानन्द तिवारी जी का स्थान और उनके सार्वजनिक जीवन और राजनीतिक जीवन तथा उनका महत्त्व किसी भी कीमत पर हम भूला नहीं सकते हैं। इसलिये मैं माननीय सदस्यों को भरोसा दिलाना चाहता हूं और उनसे निवेदन करना चाहता हूं कि आज शाम तक कोई-न-कोई रास्ता निकल जायेगा। माननीय सदस्य शांत रहें।